द्वितीय प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा अंक 100

इकाई – I

आधुनिकता – अर्थ एवं स्वरूप, 1857 की क्रान्ति और पुनर्जागरण, नया आर्थिक सामाजिक ढाँचा : नये संबंध

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। द्विवेदीयुगीन गद्य की प्रवृत्तियाँ।

इकाई – II

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद। छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, व्यक्तिवाद, नवीन सौन्दर्यबोध, कल्पना, मुक्त छन्द और स्वातंत्र्य चेतना, छायावाद के प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, निराला, महादेवी वर्मा

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई – III

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का इतिहास, परिचय एवं विकास। उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य विधाएँ।

प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी नाटक और रंगमंच।

हिन्दी की अन्य विधाएँ – निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य और जीवनी, रिपोर्ताज।

इकाई – IV

हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास

प्रमुख आलोचकों का योगदान – रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा

इकाई – V

उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय, दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

हिन्दी साहित्य के विकास में पत्र पत्रिकाओं का योगदान : प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ – हरिश्चन्द्र चन्द्रिका, सरस्वती, चाँद, हिन्दी प्रदीप, हंस (सं. प्रेमचन्द), कल्पना, प्रतीक, ज्ञानोदय, समालोचना, सारिका, आलोचना, पहल, हंस (सं. राजेन्द्र यादव), तद्‌भव एवं कथादेश।

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
   लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह
   लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
   वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, नई दिल्ली–110002
4. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी